WHY CLOSE COMMUNION?

(प्रभु-भोज में अनुशासन)

किस किस के लिए और कयु पवित्र प्रभु भोज का अनुमति का वन्द किया जाता है या मना किया जाता है?

हमारे कलीसियाओं में पवित्र प्रभु मोज की संस्कार का पालन "हर कोई या सब कोई" के आधार पर नही परन कुछ लोकों के लिए प्रभु भोज ग्रहण करना या पालन करने को अनुमति नही दिया जाता है। किसको और कयू; इसके बारे में निचे ध्यान करेंगे। हाल में हमारे आराधना में भाग लेने वाले दर्शकों को या नया लोगों को इस बात समझ में नहीं आएगा। कभि कभि वे यह विचार करते हैं कि उनको मना किया गया या वे शर्मिन्दा हो गये या उनका अपमान किया गया। हमारे उद्देश्य यह नहीं है। कृपया हमारे उद्देश्य समझने के लिए ध्यान से इस पत्रिका को अध्ययन करें।

I. यह कुछ लोग के लिए फिल्लल मना किया जाता है; हमारे प्रभु यीशु महीस का शिक्षा के अनुसार।

जब पवित्र प्रभु भोज मनाया जाता है तब अलग अलग लागो का अलाग विचार धारा होता है। कुछ लोग सोचते हैं कि यह एक स्मरण करनेवाला भोजन है; इस से बडकर कुछ भी नहीं। वे रोटी और दास रसको हमारे प्रभु यीशु महीस का शताब्ट और दुख भरा क्रुश का मरण का प्रतीक के रूप से जानते है। हमारे प्रभु यीशु मसीह जो सब से पहल अपने चेलों को दिया; उसने उनसे जो कहा।

"जब वे भोजन कर रहे थे, उसने रोटी ली और शाशिष मांगकरतोड़ी और उन्हें देकर कहा, "इसे लो; यह मेरी देह है।" फिर उसने प्याला लिया और धन्यवाद देकर उन्हें दिया और उन सब ने उसमें से पीया। तब उसने उनसे कहा, "यह वाचा का मेरा वह लहू है जो बहुतों के लिए बहाया जाता है।" मरकुस 14:22-24

हमारे कलिसीया में हम जब पवित्र भोज का संस्कार को मनाते है तब हम यह विश्वास करते है कि उस रोटि और ढाख रस के अन्दर या भीतर, साथ और उसमें सचमुच मसीह का देह और लहु है यह एक आश्चर्य काम हमारे समझ से बाहर है लेकिन हम इस लिए विश्वास करते है कि यह वचन

हमारे प्रभु यीशु मसीह का मुह से निकला है। प्रभु भोज में हम प्रभु यीशु समीह के द्वारा अपने अपने पाप से क्षमा पाते है। यह हमारे विश्वास को दृढ करता है कि हम ध्यान के साथ कहते हैं कि मेरे लिए ही हमारे प्रभु क्रूस पर अपना प्राण दिया, मेरे लिए ही यीशु मरा। यह परमेश्वर का वचन के अनुसार है हमारे इच्छा के अनुसार नही, परमेश्वर का वचन का आदर और पालन करना। वास्तविका प्रभु भोज स्वमिर का रोटी और दाख रस से कोई गुना आत्मिक विषय इस में निहित है। हम उसका पालन अवश्य प्रभु का आज्ञा के अनुसार करना है और बाईबल का उदाहरणों के अनुसार मनाना और ग्रहण करना चाहिए। यह प्रभु यीशु ने स्थापना किया संस्कार है, इस लिए हम अपने इच्छा से कुछ नहीं कर सकते। अपनी जीवन काल के समय यीशु सब को परमेश्वर का वचन और उसका राज्य के बारे में सुनाया। जब उसने अपने चोलों को बुलाया, उनको आज्ञा देकर कहाँ कि वे ससमाचार सारे दिनिया की हर प्राणी को सुनाए। (मरकुस 16:15) और सब जाति के लोगों को बप्तिस्मा देकर शिष्य या चेले बनाये (मती : 28:19)। परन्तु जब वह प्रभु भोज का स्थापना किया और उसका मनाया तब यीशु अपने चेलों को ही सर्वसाधारण लोगों को या विश्वासीयों को नहीं। हमारे कलीसियों की आराधनाओं में हम यह विचार नहीं करते है कि कौन प्रभु यीशु मसीह का चेला है या नहीं, हम किसी का दिल को पढ नहीं सकते या देख नहीं सकते। हम लोगों का विश्वास और उनका विश्वास का मुह से स्वीकार को सुनकर ही उनको पहचानते हैं। यह बहुत मुख्य विषय है कि एक व्यक्ति का विश्वास किस प्रकार का है हमारे प्रभु यीशु मसीह के ऊपर, उसका आज्ञाओं का अर्थात वचन के ऊपर और पवित्र प्रभु भोज की संस्कार ऊपर इस बात को हम सावधानी से पता चलाना आवश्यक है। यह एक तरीका जो इस्तेमान कर हम निर्णय कर सके कि एक व्यक्ति हमारे साथ है क्या नही प्रभु भोज में शामिल होने के लिए 'प्रभु यीशु का देह और लहू में भाग लेने के लिए वह भी योग्य है या नही।'

II. यह कुछ लोगों के लिए बन्द किया जाता है या मना किया जाता है कारण हम किसी का हानी नहीं चाहते है।

क्या इस अद्भुत आशिष का कारण हमारे प्रभु यीशु का देह और लहू किसि का हानी का कारण भी बन सकता है? जी हाँ, हम इस विषय बाईबल से ही पढ़ते है।

"इसलिए जो कोई अनिचित रीति से यह रोटी खाता और प्रभू के इस कटोरे में से पीता है; वह प्रभु की देह और लहू का दोषी ठहरेगा। अतः मनुष्य अपने आप को परखे तब इस रोटी को खाए और इस कटोरे में से पीए। क्योंकि जो खाता औरपीता है, यदि उचित रीति से प्रभु की देह को पहिचाने बिना खाता पीता है तो अपने ऊपर दण्ड लाने के लिए ही ऐसा करता है।" (1 कुरिन्थियो - 11:27-29)

हम अपनी आराधनाओं में ध्यान से और सावधानी से यह पता लगाते हैं कि हर व्यक्ति वचन के अनुसार प्रभु भोज में बाग लेने के लिए तैयार या नहीं अर्थात् प्रस्तुत है या नही अर्थात् योग्य या नही। हमारे प्रभु यीशु का नाम से "लो और खाओ" यह वचन का कहने से पहले सावधानी से उस व्यक्ति को जाँचते है जिसे हम यह कहते हैं क्योंकि हम नही चाहते कि कोई अनुचित रीति से प्रभु भोज को ग्रहण कर के अपने ऊपर परमेश्वर का क्रोध और दण्ड लाए और उसका कोई हानी या नुकसान हो। कारण इस प्रकार गलति का भयानक का परिणाम होता है। यह एक मनुष्य के लिए अनुचित रीति या अप्रस्तुति स्थिति कहा जाता है जब वह मनुष्य साधारण रोटी और दाख रस और प्रभु भोज में उपयोग की जानेवाला रोटी और दाख रस में अन्तर नहीं पेहचान सकता। कृपया इस प्रकार व्यक्ति को प्रभु भोज में शामिल होने से रोकिये और उस व्यक्ति का प्राण को, 'दुख, बीमार और मृत्यु से बचाइए। उसको शिक्षा देकर योग्य बनाए। जब वह योग्य बन जाता है तो उसे शामिल करे ताकि वह भी हमारे जैसे आशियों का वारिश बन सर्के।

प्रभु भोज एक सामर्थी विश्वास को उत्पन्न करनेवाला आत्मिक औषधी है परंतु यह मनुष्य को दण्ड देने का और हानी करने का भी भयानक सामर्थ रखता है यदि अनुचित रीति से इसका उपयोग किया जाता है।

III. इस लिए कुछ लोगों के लिए वन्द किया जाता है या रोक लगया जाता है कारण हम प्रभु भोज के मध्यम से और इस के द्वारा प्रभु में हमारा विश्वास की एकता का प्रकट और व्यक्त करते है।

एक सवाल पूछा जा सकता है; क्या हम उन सब को प्रभु भोज को मनाने के लिये अनुमति न दे जो अपने आप को मसीह कहते हैं? इस सवाल का जवाब बाइबल हमे स्पष्ट रीति से बताती है कि जो लोग वचन के अनुसार प्रभु भोज का अर्थ को समझाते है और अपना विश्वास को हमारे विश्वास के साथ उचित रीत से अंगीकार करते है तो हम निश्चय उनको प्रभु भोज की आराधना में शामिल करना चाहिए। अब उसको शामिल करने में कोई रुकावट नही है। परन्तु उनका विश्वास हमारे विश्वास के साथ मिलना था एकसा होना बहुत जरूरी है। **"जबकि रोटी एक ही है तो हम भी जो बहुत हैं, एक देह हैं, क्योंकि हम सब उसी एक रोटी में सहभागी होते हैं।"** (1 कुरिन्थियों 10:17) "अब है भाइयो, मैं प्रभु यीशु मसीह के नाम से तुमसे आग्रह करता हूँ कि तुम सब एक ही बात कहो, और तुम में फूट न हो, परन्तु तुम्हारे मन और विचारों में पूर्ण एकता हो। " (1 कुरिन्थियों 1:10)

जब हम सब मिलत है तो सब मिल कर संयुक्त विश्वास मिलकर व्यक्त करते है। अनेक कलिसिया की विश्वास सिर्फ कुछ बाइबिल सिद्धान्त और शिक्षाओं का ऊपर आधारित है। पर हमारे कलिसीया में ऐसा नही; हमारे विश्वास संपूर्ण शास्त्र का सिद्धान्तों और शिक्षाओं ऊपर आधारित है। एक व्यक्ति इस सच्चाई को भले भाँति समझे उस के वाद ही प्रभु का पवित्र शरीर और लहू में भागी बने, कुछ लोग हमारे बारे में गलत सोचते है कि हम घमण्डी है। हम अपने आपको अन्य

लोगों से अधिक धार्मिक है कि हम ही प्रभु का अधिक निकट है यह बाते गलत है। बाईबल के अनुसार हर मनुष्य पापी है, धर्मि कोई नहीं. परमेश्वर का अनुग्रह ही हम सबका ऊपर होता है। हम यह नही कहते है कि हम दुख से अधिक अच्छा था धमिता है। बुद्धिमान और पवित्र है। पवित्र शास्त्र परमेश्वर का वचन है और पवित्र बाइबल का हर वचन सक्षम और सत्य है। हम बाइबल का समस्त शिक्षाओं का बिना संदेह विश्वास करते है। बाईबल का हर एक शिक्षा मनुष्य के लिए उपयोगी और लाभदायक और मुख्य है। अन्त में बाईबल के बारे में, हमारे प्रभु यीशु मसीह के ऊपर और प्रभु भोज का मेज में हर एक का विश्वास वचन के अनुसार हो, हम सबका एक ही विश्वास होना उचित है।

"सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और शिक्षा, ताड़ना सुधार और धार्मिकता की शिक्षा के लिए उपयोगी है" (2 तीमुथियूस 3:16)

विलम्ब करना : निलम्बित करना नही है।

हमारे आराधनाओं में नया दर्शकों को या अतिथियों को (अन्य विश्वास मत्तवालो को) प्रभु भोज में आमंत्रित न करके हम आपने ऊपर एक बड़ा और मुख्य बोझ ले लेते है। हम उनको यह कहना उनको लगता है कि वे हमारे स्तर के नहीहै या हम से कम है या हमारे जैसा उत्तम नहीं है। हमारे संदेश का उद्देश्य बिलकुल यह नही है।

"हम चाहते है कि हर कोई प्रभु भोज में शामिल हो जो पवित्र संस्कार है और आशिष का मध्यम है। लेकिन हमारे अतिथी और नया दर्शकों जल्दी से जल्दी हमारे उद्देश्य को समझे और उनका विश्वास हमारे साथ एक हो। फिर वे हमारे साथ प्रभु भोज ग्रहण करे और दण्ड नही परन्तु आशिष प्राप्त करे। प्रभु की स्तुति हो!" यशायाह 40:31 "परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते है वे नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे उकाबों के समान पंख फैलाकर ऊँचाई पर उड़ेंगे वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, वे चलेंगे पर थकेंगे नहीं।" आमीन।